# जन-जन में आस्था का संचार, हुआ संजीवनी विद्या का विस्तार

## नगर पालिका ने आयोजित कराये स्वच्छता एवं जनचेतना जागरण महायज्ञ

**गोंदिया ( महाराष्ट्र )**

गोंदिया का जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट नगर के ४० वार्डों में से प्रत्येक में नगर स्वच्छता एवं जनचेतना जागरण के ढाई दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न करा रहा है। जिला संयोजक पं. शिवलोचन मिश्र के अनुसार इन कार्यक्रमों के आयोजन में नगर पालिका प्रशासन ने गहरी रुचि ली और भरपूर सहयोग कर रहा है। समाचार भेजे जाने तक वहाँ के १० वार्डों में कार्यक्रम सम्पन्न हो चुके थे। नगराध्यक्ष श्रीमती सविता देवी ईसरका तथा प्रत्येक वॉर्ड के पार्षद इन कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ढाई दिवसीय कार्यक्रमों में प्रथम दिन गायत्री परिवार के परिजन और नगर पालिका के पार्षद, अधिकारी, कर्मचारी सब स्थानीय जनमानस को प्रेरित करते हुए पूरे वॉर्ड की सफाई करते हैं। इसके साथ ही अगले दिनों के कार्यक्रमों की जानकारी एवं आमंत्रण दिया जाता है। दूसरे दिन कलश यात्रा, साइकिल रैली तथा सायंकाल दीपयज्ञ के जन उत्साह वर्धक कार्यक्रम होते हैं। इनमें लोगों को स्वच्छता, स्वास्थ्य रक्षा, कुरीति उन्मूलन, नशा मुक्ति, संस्कार परम्परा के पुनर्जीवन आदि का संदेश दिया जाता है। तीसरे दिन ५ कुण्डीय यज्ञ एवं विभिन्न संस्कार कराये जाते हैं।

गोंदिया नगर के प्रथम १० कार्यक्रमों का संचालन श्रीमती सीमाबेन पटेल, श्रीमती देविका परमार, कु.श्वेता बैस की टोली तथा श्रीमती पुष्पाबेन माले, श्रीमती मीरा देवी बेंदे व कु. भारती मिनेन्द्र बिसेन की टोलियों ने किया। नगराध्यक्ष श्रीमती ईसरका के अलावा इन कार्यक्रमों में वार्ड पार्षद श्रीमती सुशीला अंबुले, श्रीमती नीलू माण्डरे (अधिवक्ता), श्रीमती सुदर्शना वर्मा, श्री जनक राज गुप्ता, श्री वेंकट पाथरू, श्री राजू पारधी एवं तमाम गणमान्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रमों में सैकड़ों नगरवासियों ने देवस्थापना कराते हुए नित्य गायत्री उपासना और युग साधना में भागीदारी के संकल्प लिए। ☯

यज्ञ संचालन करती श्रीमती सीमाबेन पटेल की टोली और यज्ञ करतीं नगरपालिका अध्यक्ष, पार्षद एवं अन्य

## दीप जले, दिल पुलकित हुए

**नागपुर ( महाराष्ट्र )**

माँ भगवती मण्डल, प्रज्ञापीठ की बहिनों ने विद्या विस्तार प्रक्रिया के अंतर्गत ग्राम शिरूर, तहसील सुटीबोरी में गायत्री यज्ञ आयोजन का स्तुत्य कार्य किया। यह एक ऐसा गाँव है जहाँ के लोग गायत्री तो क्या, धर्म-अध्यात्म से भी बहुत दूर हैं। प्राय: हर घर शराब-मांस सेवन करने वाला है। ऐसे में यज्ञ का आयोजन कर लेना ही एक बड़ी सफलता है, लेकिन गायत्री परिवार की बहिनों ने तो प्राय: प्रत्येक ग्रामवासी को इसमें भाग लेने के लिए सहमत भी कर लिया।

शिरूर ग्राम में सौ.शीला सराटकर, सौ. पोहाने आदि बहिनों ने १३ नवम्बर को गायत्री यज्ञ किया। कलश यात्रा में वहाँ पहुँची गायत्री परिवार की बहिनें ही प्रमुख रूप से सक्रिय रहीं, लेकिन इस कलश यात्रा से बड़ा सुंदर वातावरण बना। गाँव वासियों को लगा कि जो कुछ हो रहा है, वह उनकी भलाई के लिए है। श्री दामोदर बेण्डे ने सरल कथा-कहानी के साथ बहुत कुछ उनके मस्तिष्क में उतार दिया। सब गाँववासी बड़े हतप्रभ एवं आश्चर्य चकित थे कि उन्हें भी ऐसे दिव्य आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल रहा है। ज्योतित दीपमालाओं से ज्यादा प्रसन्नता इन भोले-भाले गाँव वासियों के दमकते चेहरों को देखकर होती थी।

अगले दिन पाँच कुण्डीय गायत्री यज्ञ हुआ। इस अवसर पर गाँव वासियों की झिझक ही दूर नहीं हो रही थी। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि शराब पीने वाले और माँस खाने वाले लोग भला ऐसे दिव्य कार्यक्रम में कैसे भाग ले सकते हैं। धीरे-धीरे आत्महीनता दूर होती गयी, मन की ग्रंथियाँ खुलती गयीं। बहुत से लोगों ने आरंभिक गायत्री उपासना करने के संकल्प लिए। उसी गाँव के श्री बाबूराव येयणे ने कार्यक्रम की सफलता में अपना भावभरा योगदान प्रदान किया। ☯

## बहिनों की प्रभावकारी प्रस्तुति

**सारणी, बैतूल ( मध्य प्रदेश )**

महिला मण्डल सारणी की टोली ने बाचावानी में ३० नवम्बर से २ दिसम्बर की तारीखों में विद्या विस्तार पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराया। इसमें तीन हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें से १०५ लोगों ने गुरुदीक्षा ली।

महिला मण्डल ने सामाजिक समस्याओं के निवारण के लिए रचनात्मक सक्रियता अपनाने का संदेश दिया, जिसका लोगों पर विशेष प्रभाव पड़ा। टोली नायक श्रीमती प्रमिला पान्से ने गायत्री की साधना एवं युगऋषि के साहित्य से विश्व की समस्याओं के निवारण और समाज के सर्वांगीण विकास की बात समझायी। उन्होंने क्षेत्र में प्रचलित पर्दा प्रथा की हानियाँ बताकर उसे दूर करने की प्रेरणा दी। गोमाता के अंत:करण की करुण पुकार को लोगों तक पहुँचाते हुए गो-संवर्धन को राष्ट्र की प्रगति एवं समृद्धि का आधार बताया। साथी बहिनों-श्रीमती राधा गीते, कृष्णा सावनेर, सुमन लिखीतकर के गीत, संस्कार एवं कर्मकाण्ड ने भी प्रगतिशील नारी का आदर्श प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की व्यवस्था श्रीमती एवं श्री पचोरिया जी, श्रीमती सत्य बहिन, श्याम पटेल, महेश पटेल एवं साथी ग्राम वासियों ने की। ☯

बाचावानी में कार्यक्रम का संचालन करतीं बहिनें

## साहित्य स्थापना में अच्छी सफलता

**बिलारी, मुरादाबाद ( उत्तर प्रदेश )**

गायत्री परिवार, बिलारी शाखा द्वारा आयोजित विद्या विस्तार महायज्ञ में ११ सेट प्रज्ञा पुराण तथा वाङ्मय साहित्य के एक समग्र सेट की स्थापना हुई। १३ से १६ दिसम्बर की तारीखों में आयोजित अपनी तरह का यह पहला आयोजन आयोजकों के विश्वास से कई गुना ज्यादा सफल रहा, जिसकी भव्य कलश यात्रा में ७००-८०० बहिनें शामिल थीं। कई संगठनों ने इसका स्वागत किया, भारतीय वाल्मीकि समाज के नवयुवकों द्वारा की गयी पेयजल की व्यवस्था और पुष्पवर्षा विशेष उल्लेखनीय है। उप जिलाधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी ने देव पूजन एवं पुष्पवर्षा के साथ इसका शुभारंभ किया।

कार्यक्रम सम्पन्न कराने शांतिकुंज से श्री सोमदेव पटैया की टोली पहुँची थी। प्रत्येक दिन यज्ञ में प्रबुद्ध एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे; ठा.डम्बर सिंह ने वाङ्मय स्थापना करायी। देसंविवि के स्नातक श्री मणिकान्त शुक्ल द्वारा ने प्रबंधन पर संगोष्ठी ली, जिसमें जन्मशताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए भावी रुपरेखा तैयार की गयी। ठा.डम्बर सिंह, श्रीराम अग्रवाल-श्रीराम पेपर मिल, श्री ए.पी.वर्मा-प्रबंधक प्रथमा बैंक, श्री विनोद मिश्र के उदार सहयोग तथा तमाम कार्यकर्त्ताओं की नैष्ठिक सक्रियता से यह कार्यक्रम शानदार सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। ☯

## ज्ञान विस्तार का शानदार संकल्प

**बाराबंकी ( उत्तर प्रदेश )**

बाराबंकी जनपद ने इस वर्ष कुल २०० विद्या विस्तार महोत्सव सुनिश्चित किए हैं। पाँच कुण्डीय यज्ञ के साथ हो रहे इन कार्यक्रमों में प्रत्येक में विद्या विस्तार साहित्य के १०-१० सेटों की स्थापना तथा प्रत्येक कार्यक्रम में ५०० रुपये कीमत के साहित्य का एक वाचनालय स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार प्रस्तुत कार्यक्रम श्रृंखला में बाराबंकी जनपद के परिजन ७५००० विद्या विस्तार सेट और २०० वाचनालयों की स्थापना कर रहे हैं।

कार्यक्रम श्रृंखला बसंत पर्व तक ही पूरा कर लिए जाने की योजना है। इसके लिए २० टोलियाँ बनायी गयी हैं। नगर पंचायतों में आयोजित हो रहे ३० कार्यक्रमों का संचालन बहिनों की टोलियाँ करेंगी। समाचार प्रेषक श्री सुरेशचंद्र अग्निहोत्री के अनुसार आयोजकों ने सभी पत्रिकाओं की सदस्य संख्या २५ प्रतिशत तक बढ़ाने का संकल्प भी लिया है। ☯

## मुस्लिम बहुल क्षेत्र में नव उल्लास

**पचपेड़वा बलरामपुर ( उत्तर प्रदेश )**

उपजोन गोण्डा के अंतर्गत शक्तिपीठ पचपेड़वा ने अपना पहला विद्या विस्तार आयोजन २५ से २७ अक्टूबर की तारीखों में ग्राम नावडीह में सम्पन्न कराया। इस मुस्लिम बहुल ग्राम में उमड़े युगशक्ति के प्रवाह का लाभ लेने मुसलमान भाई भी उपस्थित हुए। ८ भाइयों के दीक्षा-यज्ञोपवीत संस्कार, चार बहिनों के पुंसवन तथा १२ बच्चों के नामकरण एवं ११ के विद्यारंभ संस्कार हुए। यह कार्यक्रम प्रज्ञा मण्डल नावडीह, ग्राम हरैथा चंद्रसी तथा न्याय पंचायत हरखड़ी के प्रमुख सहयोग से सम्पन्न हुआ। श्री चिनकन प्रसाद प्रजापति, अंगद प्रसाद प्रजापति, युग निर्माणी बाबा तथा नानकचंद्र अग्रवाल ने प्रमुख भूमिका निभाई।

अगला कार्यक्रम न्याय पंचायत पोखर भिटवा के ग्राम बैरिहवा में २१ से २३ नवम्बर की तारीखों में आयोजित हुआ। स्थान नया था, कृषिकार्य की व्यस्तता थी, फिर भी ३०० भाई-बहिनों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। श्री मुक्तिनाथ वर्मा-से.नि. अध्यापक, श्री बृजमोहन वर्मा, श्री सीताराम जायसवाल, श्री रामचंद्र गुप्ता, श्री नानक चंद्र अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम संयोजन में अहम भूमिका निभाई। ☯

## उभरता उत्साह, व्यापक होती युग चेतना

**टीकमगढ़ ( मध्य प्रदेश )**

गायत्री प्रज्ञापीठ बल्देवगढ़ द्वारा पंचायत स्तर पर चलाये जा रहे विद्या विस्तार वर्ष के आरंभिक अभियान को अच्छी सफलता मिल रही है। वहाँ कैलपुरा में २२ से २४ नवम्बर तक तथा देवरदा में १ से ३ दिसम्बर की तारीखों में विद्या विस्तार आयोजन सम्पन्न हुए। युग संदेश वाहकों की प्रेरणा से लोगों ने स्वाध्याय-उपासना, साधना के अलावा दुर्व्यसन त्याग जीवन के परिष्कार के संकल्प भी बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ लिए। दोनों कार्यक्रमों में क्रमश: ६० एवं १० दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुए।

## सामाजिक समस्याओं पर चिंतन

**बरठी, बिलासपुर ( हिमाचल प्रदेश )**

श्री नवदुर्गा मंदिर (खरोटा) बरठी में २६ से २८ अक्टूबर की तारीखों में ढाई दिवसीय विद्याविस्तार महायज्ञ आयोजित था। इसके दीपयज्ञ के अवसर पर इ.श्री रमेश टण्डन ने पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण की ओर जनमानस का ध्यानाकर्षण किया। उन्होंने जन-सामान्य को हरीतिमा संवर्धन के साथ जंगलों को आग से बचाने के कार्यों में प्रत्यक्ष भागीदारी के लिए प्रेरित किया। ग्राम की सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए ग्राम समिति बनाने तथा बेहतर सक्रियता का सुझाव भी उन्होंने दिया।

यह विद्या विस्तार महायज्ञ श्री ओंकार सिंह ठाकुर परिव्राजक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसका संचालन श्री गीताराम शर्मा एवं श्रीमती रामप्यारी शर्मा ने किया। कार्यक्रम में प्रज्ञा मण्डल बरठी का पुनर्गठन हुआ। उत्साही परिजनों ने इसके संचालन का दायित्व लेते हुए सक्रियता की रूपरेखा घोषित की। ☯

**विधूना, औरैया ( उत्तर प्रदेश )**

विद्या विस्तार आयोजनों की श्रृंखला के अन्तर्गत १५ से २० नवम्बर की तारीखों में विधूना में प्रज्ञा पुराण कथा एवं नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ विद्या विस्तार महोत्सव का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम विधूना एवं भटौली के महिला मण्डल के विशेष सहयोग से आयोजित हुआ। इसका संचालन करने के लिए गुरु ग्राम आँवलखेड़ा से श्री जसवीर सिंह की टोली पहुँची थी। कार्यक्रम में निरन्तर उमड़ता जन सैलाब आयोजकों का उत्साह बढ़ाता रहा, वहीं जनमानस ने आत्म परिष्कार के लिए जीवन साधना तथा दुर्गुणों को त्यागने के संकल्प लेकर इसे अभीष्ट सफलता प्रदान की। पंकज श्रीवास्तव, श्रीकृष्ण प्रताप सिंह, संजीव श्रीवास्तव, कमलेश, सविता आदि सक्रिय रहे। ☯

सद्व्यवहार में शान्ति है। जो सोचता है कि मैं दूसरों के काम आ सकने के लिए कुछ करूँ, वही आत्मोन्नति का सच्चा पथिक है।